□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□
अतारांकित प्रश्न □□□: 1982
30 □□□□, 2021 □□ □□□□□□□□□प्रश्न □□ □□□
चिकित्सा छात्रों के लिए रोटेशनल इंटनशिप प्रशिक्षण

1982. श्री □□□□□□□ □□□:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा □□□□□

(क) क्या राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने अनिवाय रोटेशनल □□□□□□, 2021 □□□□ □□□□□ □□□-निदश जारी किए ह □□□□□तहत एम.बी.बी.एस. छात्र को आयुष म इंटनशिप करनी होगी और □□□ □□, □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ विनियमों का क्या औचित्य ह;

(□) □□□ आयुष छात्रों के लिए एलोपैथी चिकित्सा पद्धति म इंटनशिप करना अनिवाय कर दिया गया है; □□

(□) □□□ □□, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या □□ विनियमों से छात्रों को दवाओं की विभिन्न □□□□□□□ □□ □□□□□ करने और रोगियों की मदद करने म सक्षम बनाने की संभावना है?

<u>□□□□</u>

<u>स□□स्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रवीण पवार)</u>

(क) से (ग): राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने सूचित किया है कि अनिवाय चक्रीय इन्टनशिप के प्रारूप □□□□□□□ □□ जनता से टिप्पणी आमंत्रित करने हेतु जारी किया है। इस प्रारूप अधिनियम ने भारतीय चिकित्सा □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ म एक सप्ताह के इन्टनशिप की व्यवस्था की है। यह हिस्सा अनिवाय नहीं बल्कि वैकल्पिक है। □□□ □□□ □□ वैकल्पिक विषय चुन सकते ह, बशत कि वह विषय उस कॉलेज/संस्थान म उपलब्ध होना चाहिए जहाँ □□□□□□ (आयुवद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी, सोवा रिग्पा) □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ औचित्य एमबीबीएस छात्रों को आयुष विषय का ज्ञान प्रदान करना है।

□□□□, □□□ और नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध तथा होमियोपैथी (आयुष) मंत्रालय ने बताया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद (भारतीय चिकित्सा शिक्षा हेतु न्यूनतम मानक) संशोधन अधिनियम, 2016 के अनुसार बीएएमएस छात्रों की एकवर्षीय इन्टनशिप को कॉलेज से संलग्न आयुष अस्पतालों म 6 महीने की क्लिनिकल ट्रेनिंग और 6 माह की प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 'या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या ग्रामीण अस्पताल या जिला अस्पताल या जन अस्पताल या □□□□□ चिकित्सा के किसी सरकारी अस्पताल म बाँटा गया है। इसम यह भी है कि जहाँ कोई विधान नहीं है या आयुष स्नातकों को राज्य सरकार ने आधुनिक जिला अस्पताल या डिस्पेन्सरी म इजाजत नहीं दी है तो एक वष की इन्टनशिप आयुष कॉलेज के अस्पतालों म ही पूण की जाएगी।

******